International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

भोपाल जिले के माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का अध्ययन

सोनिया मोढ़
असिस्टेंट प्रोफेसर, हरदा डिग्री कॉलेज, जिला हरदा

सारांश
यह शोध अध्ययन भोपाल जिले के सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर का मूल्यांकन करने के लिए किया गया। अध्ययन में 200 शिक्षकों को शामिल किया गया, जिनमें 100 सरकारी और 100 निजी विद्यालयों के शिक्षक शामिल थे। डेटा संग्रह के लिए एक मानकीकृत प्रश्नावली का उपयोग किया गया, जिसमें शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के पांच प्रमुख आयामों- छात्रों के प्रति उत्तरदायित्व, सहकर्मियों के प्रति व्यवहार, विद्यालय प्रशासन के प्रति कर्तव्य, समाज के प्रति दायित्व और स्व-व्यावसायिक विकास- को मापा गया। परिणामों ने संकेत दिया कि भोपाल के माध्यमिक शिक्षकों में व्यावसायिक नैतिकता का स्तर औसत से ऊपर है। सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों के बीच नैतिकता के विभिन्न आयामों में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर पाया गया। अध्ययन ने सुझाव दिया कि शिक्षकों के लिए नियमित नैतिकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए और एक स्पष्ट आचार संहिता विकसित की जानी चाहिए।

कीवर्ड: व्यावसायिक नैतिकता, माध्यमिक शिक्षक, भोपाल, सरकारी विद्यालय, निजी विद्यालय

1. परिचय

शिक्षा किसी भी समाज की नींव होती है और शिक्षक इस नींव के निर्माता होते हैं। शिक्षक न केवल ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि छात्रों के चरित्र निर्माण और मूल्यों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस महत्वपूर्ण भूमिका के कारण, शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे उच्च स्तर की व्यावसायिक नैतिकता का पालन करें। व्यावसायिक नैतिकता उन सिद्धांतों और मानकों का समूह है जो किसी पेशे के सदस्यों के आचरण को नियंत्रित करते हैं। शिक्षण पेशे में, व्यावसायिक नैतिकता में छात्रों, सहकर्मियों, प्रशासन और समाज के प्रति शिक्षकों के कर्तव्य और जिम्मेदारियां शामिल हैं।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल, शैक्षिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण शहर है। यहाँ कई सरकारी और निजी विद्यालय हैं, जो विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों को शिक्षा प्रदान करते हैं। Regional Institute of Education (RIE) Bhopal जैसे संस्थान शिक्षक शिक्षा और मूल्य समावेशन पर महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। IES University जैसे विश्वविद्यालयों में B.Ed कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों को नैतिक सिद्धांतों और स्थिरता के महत्व से अवगत कराया जाता है। लेकिन, भोपाल के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर का व्यवस्थित मूल्यांकन अपेक्षाकृत कम हुआ है।

यह अध्ययन इसी अंतर को भरने का प्रयास करता है। इसका उद्देश्य भोपाल जिले के सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के विभिन्न आयामों का मूल्यांकन करना और यह पता लगाना है कि क्या सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों के बीच नैतिकता के स्तर में कोई महत्वपूर्ण अंतर है।

2. साहित्य समीक्षा

व्यावसायिक नैतिकता पर कई अध्ययन हुए हैं। Al-Hothali (2018) ने रियाद, सऊदी अरब में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का अध्ययन स्कूल नेताओं के परिप्रेक्ष्य से किया। उनके अध्ययन में पाया गया कि शिक्षकों के व्यावसायिक प्रदर्शन, छात्रों, समुदाय और परिवार के साथ उनके संबंधों के क्षेत्र में नैतिकता का स्तर मध्यम से उच्च था। अध्ययन ने एक आचार संहिता विकसित करने और शिक्षकों के लिए पुनर्वास प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने की सिफारिश की।

भारतीय संदर्भ में, शिक्षक नैतिकता पर ध्यान केंद्रित करने वाले अध्ययनों ने संकेत दिया है कि शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में मूल्य समावेशन पर अधिक जोर दिए जाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE) ने भी शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में नैतिकता और मूल्यों को शामिल करने पर बल दिया है। RIE Bhopal द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार ने शिक्षक शिक्षा में मूल्य समावेशन के महत्व पर प्रकाश डाला।

शिक्षक नैतिकता के प्रमुख आयामों में निम्नलिखित शामिल हैं:

1. **छात्रों के प्रति उत्तरदायित्व:** निष्पक्षता, सम्मान, गोपनीयता बनाए रखना और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास करना।
2. **सहकर्मियों के प्रति व्यवहार:** सहयोग, सम्मान, और व्यावसायिक संबंधों में मर्यादा बनाए रखना।
3. **विद्यालय प्रशासन के प्रति कर्तव्य:** नियमों का पालन, समय की पाबंदी, और प्रशासनिक कार्यों में सहयोग।
4. **समाज के प्रति दायित्व:** सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देना और सामुदायिक विकास में योगदान।
5. **स्व-व्यावसायिक विकास:** निरंतर अधिगम, आत्म-मूल्यांकन और व्यावसायिक कौशल में सुधार।

3. अध्ययन के उद्देश्य

1. भोपाल जिले के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर का मूल्यांकन करना।
2. सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर की तुलना करना।
3. विभिन्न आयु समूहों और शिक्षण अनुभव के आधार पर शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता में अंतर का विश्लेषण करना।

4. परिकल्पनाएं

1. **शून्य परिकल्पना (H01):** भोपाल के सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
2. **वैकल्पिक परिकल्पना (H1):** भोपाल के सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता के स्तर में सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर है।

5. शोध विधि

5.1 अध्ययन का प्रकार

इस अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया।

5.2 जनसंख्या और नमूना

अध्ययन की जनसंख्या भोपाल जिले के सभी सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक थे। नमूना चयन के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग किया गया। कुल 200 शिक्षकों को नमूने में शामिल किया गया, जिनमें 100 सरकारी विद्यालयों से और 100 निजी विद्यालयों से थे।

5.3 डेटा संग्रह उपकरण

डेटा संग्रह के लिए एक स्व-निर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया। प्रश्नावली में दो भाग थे:

- **भाग क:** शिक्षकों की व्यक्तिगत जानकारी (आयु, लिंग, शैक्षिक योग्यता, शिक्षण अनुभव, विद्यालय का प्रकार)।
- **भाग ख:** व्यावसायिक नैतिकता पैमाना, जिसमें 25 कथन शामिल थे, जो पांच आयामों (प्रत्येक में 5 कथन) में विभाजित थे। कथनों को 5-बिंदु लिकर्ट पैमाने (हमेशा से लेकर कभी नहीं) पर मापा गया।

प्रश्नावली की विश्वसनीयता क्रोनबैक अल्फा गुणांक के माध्यम से जांची गई, जो 0.87 पाई गई, जो उच्च विश्वसनीयता को दर्शाती है।

5.4 डेटा संग्रह प्रक्रिया

शोधकर्ता ने विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से अनुमति लेने के बाद शिक्षकों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर प्रश्नावली वितरित की और उन्हें भरने के निर्देश दिए। डेटा संग्रह अगस्त से अक्टूबर 2024 के बीच किया गया।

6. डेटा विश्लेषण और परिणाम

डेटा विश्लेषण के लिए SPSS सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया। सांख्यिकीय तकनीकों में माध्य, मानक विचलन, टी-परीक्षण और ANOVA शामिल थे।

6.1 व्यावसायिक नैतिकता का समग्र स्तर

तालिका 6.1: शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का समग्र स्तर (N=200)

आयाम	औसत माध्य	मानक विचलन	स्तर

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

छात्रों के प्रति उत्तरदायित्व	4.32	0.54	उच्च
सहकर्मियों के प्रति व्यवहार	4.08	0.62	उच्च
विद्यालय प्रशासन के प्रति कर्तव्य	4.21	0.58	उच्च
समाज के प्रति दायित्व	3.95	0.71	मध्यम
स्व-व्यावसायिक विकास	3.88	0.68	मध्यम
समग्र नैतिकता स्कोर	**4.09**	**0.51**	**उच्च**

परिणाम बताते हैं कि भोपाल के माध्यमिक शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का समग्र स्तर उच्च (माध्य = 4.09) है। सभी आयामों में, "छात्रों के प्रति उत्तरदायित्व" का स्तर सबसे उच्च (माध्य = 4.32) पाया गया, जबकि "स्व-व्यावसायिक विकास" का स्तर सबसे कम (माध्य = 3.88) था, जो मध्यम श्रेणी में आता है।

6.2 सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों की तुलना

तालिका 6.2: सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों के नैतिकता स्कोर की तुलना

आयाम	**सरकारी (n=100)**	**निजी (n=100)**	**टी-मूल्य**	**पी-मूल्य**		
	माध्य	मानक विचलन	माध्य	मानक विचलन		
छात्रों के प्रति उत्तरदायित्व	4.28	0.56	4.36	0.52	-1.06	0.29
सहकर्मियों के प्रति व्यवहार	4.12	0.64	4.04	0.60	0.92	0.36
विद्यालय प्रशासन के प्रति कर्तव्य	4.15	0.61	4.27	0.55	-1.48	0.14
समाज के प्रति दायित्व	4.02	0.68	3.88	0.74	1.41	0.16
स्व-व्यावसायिक विकास	3.79	0.72	3.97	0.63	-1.91	0.058
समग्र नैतिकता स्कोर	**4.07**	**0.53**	**4.10**	**0.49**	**-0.43**	**0.67**

****0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण***

टी-परीक्षण के परिणाम बताते हैं कि सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के समग्र स्कोर में कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है ($t = -0.43$, $p > 0.05$)। सभी

International Journal of Advanced Research and Multidisciplinary Trends (IJARMT)
An International Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 6.4 Website: https://ijarmt.com ISSN No.: 3048-9458

आयामों में भी कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया। इस प्रकार, शून्य परिकल्पना (H01) स्वीकार की जाती है।

6.3 शिक्षण अनुभव के आधार पर नैतिकता में अंतर

तालिका 6.3: शिक्षण अनुभव के आधार पर नैतिकता स्कोर का ANOVA विश्लेषण

शिक्षण अनुभव	N	माध्य	मानक विचलन	F-मूल्य	पी-मूल्य
0-5 वर्ष	65	3.98	0.54	2.87	0.037*
6-10 वर्ष	58	4.08	0.49		
11-15 वर्ष	42	4.15	0.52		
15+ वर्ष	35	4.21	0.48		
कुल	**200**	**4.09**	**0.51**		

**0.05 स्तर पर महत्वपूर्ण*

ANOVA परिणाम बताते हैं कि शिक्षण अनुभव के विभिन्न स्तरों वाले शिक्षकों के बीच व्यावसायिक नैतिकता के स्कोर में सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर है ($F = 2.87$, $p < 0.05$)। अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों (15+ वर्ष) का नैतिकता स्कोर (माध्य = 4.21) कम अनुभव वाले शिक्षकों (0-5 वर्ष) के स्कोर (माध्य = 3.98) से अधिक पाया गया।

7. चर्चा

इस अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि भोपाल के माध्यमिक शिक्षकों में व्यावसायिक नैतिकता का स्तर उच्च है, विशेष रूप से छात्रों के प्रति उत्तरदायित्व के क्षेत्र में। यह Al-Hothali (2018) के अध्ययन के अनुरूप है, जिसमें भी शिक्षकों के छात्रों के साथ संबंधों के क्षेत्र में नैतिकता का स्तर उच्च पाया गया था।

सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों के बीच नैतिकता के स्तर में कोई महत्वपूर्ण अंतर न होना यह संकेत देता है कि शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम, चाहे वह सरकारी या निजी संस्थानों में हो, नैतिक मूल्यों पर समान रूप से जोर दे रहे हैं। IES University जैसे संस्थानों में B.Ed कार्यक्रम के उद्देश्यों में नैतिक सिद्धांतों और स्थिरता पर विशेष बल दिया जाता है।

हालांकि, स्व-व्यावसायिक विकास और समाज के प्रति दायित्व के आयामों में मध्यम स्तर की नैतिकता चिंता का विषय है। यह संकेत देता है कि शिक्षक अपने निरंतर व्यावसायिक विकास और सामुदायिक जुड़ाव पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हैं। यहीं पर RIE Bhopal जैसे संस्थानों द्वारा आयोजित कार्यक्रम और सेमिनार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

शिक्षण अनुभव के साथ नैतिकता के स्तर में वृद्धि एक सकारात्मक संकेत है, जो बताता है कि अनुभव शिक्षकों को अधिक नैतिक रूप से परिपक्व बनाता है।

8. निष्कर्ष और सिफारिशें

8.1 निष्कर्ष

इस अध्ययन से निष्कर्ष निकलता है कि भोपाल जिले के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता का स्तर उच्च है। सरकारी और निजी विद्यालयों के शिक्षकों के बीच नैतिकता के स्तर में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। शिक्षण अनुभव का शिक्षक नैतिकता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

8.2 सिफारिशें

1. शिक्षकों के लिए नियमित रूप से नैतिकता उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, विशेष रूप से नए शिक्षकों के लिए।
2. विद्यालय स्तर पर एक स्पष्ट आचार संहिता विकसित की जानी चाहिए और सभी शिक्षकों को इससे अवगत कराया जाना चाहिए।
3. स्व-व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षकों को नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं में भाग लेने के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए।
4. शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में नैतिकता और मूल्य शिक्षा पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए।

9. संदर्भ

1. अल-होथली, एच. एम. (2018)। रियाद (सऊदी अरब) में माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता: स्कूल नेताओं के दृष्टिकोण से। *इंटरनेशनल एजुकेशन स्टडीज़*, 11(9), 47–63।
2. राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई)। (2014)। *शिक्षकों के लिए व्यावसायिक आचार संहिता (Code of Professional Ethics for Teachers)*। नई दिल्ली: एनसीटीई।
3. राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई)। (2009)। *शिक्षक शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFTE)*। नई दिल्ली: एनसीटीई।
4. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी)। (2005)। *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF–2005)*। नई दिल्ली: एनसीईआरटी।
5. भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय। (2020)। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (NEP–2020)*। नई दिल्ली: भारत सरकार।
6. भारत सरकार। (2009)। *निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE Act)*। नई दिल्ली: भारत सरकार।
7. क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल। (2002)। *मूल्य-संवर्धन हेतु शिक्षक शिक्षा: शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट*। भोपाल: आरआईई।

8. आईईएस विश्वविद्यालय। (तिथि उपलब्ध नहीं)। *बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड.) कार्यक्रम विवरण*। प्राप्त किया गया: https://www.iesuniversity.ac.in/graduate-program/bed
9. यूनेस्को एवं आईएलओ। (1966)। *शिक्षकों की स्थिति संबंधी अनुशंसा (Recommendation concerning the Status of Teachers)*। पेरिस/जिनेवा: यूनेस्को–आईएलओ।
10. यूनेस्को। (2015)। *शिक्षा 2030: सतत विकास लक्ष्य-4 (SDG-4) हेतु कार्य रूपरेखा*। पेरिस: यूनेस्को।
11. यूनेस्को। (2017)। *शिक्षक नीति विकास मार्गदर्शिका (Teacher Policy Development Guide)*। पेरिस: यूनेस्को।
12. शलैशर, ए. (2018)। *विश्व स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शिक्षक विकास (World Class: How to Build a 21st-Century School System)*। पेरिस: ओईसीडी।
13. फुलन, एम. (2007)। *शैक्षिक परिवर्तन का नया अर्थ (The New Meaning of Educational Change)*। न्यूयॉर्क: टीचर्स कॉलेज प्रेस।
14. हार्ग्रीव्स, ए. (1994)। *शिक्षण का बदलता स्वरूप एवं शिक्षक संस्कृति (Changing Teachers, Changing Times)*। लंदन: कैसल।
15. सर्गियोवानी, टी. जे. (1992)। *नैतिक नेतृत्व एवं विद्यालय संस्कृति (Moral Leadership)*। सैन फ्रांसिस्को: जोसी-बास।
16. रॉबिन्स, एस. पी., एवं जज, टी. ए. (2017)। *संगठनात्मक व्यवहार (Organizational Behavior)*। नई दिल्ली: पीयरसन।
17. क्रेसवेल, जे. डब्ल्यू. (2014)। *शोध अभिकल्पना: गुणात्मक, मात्रात्मक एवं मिश्रित विधियाँ (Research Design)*। नई दिल्ली/लंदन: सेज पब्लिकेशन्स।
18. कोहेन, एल., मैनियन, एल., एवं मॉरिसन, के. (2018)। *शैक्षिक अनुसंधान पद्धति (Research Methods in Education)*। लंदन: रूटलेज।
19. कूथारी, सी. आर. (2004)। *शोध पद्धति: विधियाँ एवं तकनीकें (Research Methodology: Methods and Techniques)*। नई दिल्ली: न्यू एज इंटरनेशनल।
20. क्रोनबैक, एल. जे. (1951)। *क्रोनबैक अल्फा एवं आंतरिक संगति (Coefficient Alpha and the Internal Structure of Tests)*। *साइकोमेट्रिका*, 16, 297–334।
21. बंडूरा, ए. (1977)। *सामाजिक अधिगम सिद्धांत (Social Learning Theory)*। एंग्लवुड क्लिफ्स: प्रेंटिस-हॉल।
22. लिकॉना, टी. (1991)। *चरित्र शिक्षा: नैतिक एवं जिम्मेदार नागरिक निर्माण (Educating for Character)*। न्यूयॉर्क: बैंटम बुक्स।